

डंपर की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

जयपुर। दौलतपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार कॉलेज छात्र की मौत हो गई। हादसा पोखरिया वाला पुलिसा के पास शाम करीब 5:30 बजे हुआ। डंपर की टक्कर के बाद छात्र सड़क पर गिर गया और डंपर के पिछले पहिए की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रशांत जांगिड़ (20) के रूप में हुई है। वह सोनी का बाग, विद्याधर नगर निवासी धर्मेन्द्र कुमार जांगिड़ का पुत्र था और एमिटी यूनिवर्सिटी में बीबीए का छात्र था।दौलतपुरा थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर व मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने शव को कांक्टिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

आरआईसी प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप, हंगामा

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार को कथित अव्यवस्थाओं और प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर हंगामा हो गया। कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इस दौरान व्यवस्थाओं को लेकर भी पाराजगी सामने आई।

विरोध कर रहे लोगों का आरोप है कि सेंटर में कार्यक्रमों के आयोजन, सुविधाओं के आवंटन और अन्य व्यवस्थाओं में पारदर्शिता का अभाव है। कुछ लोगों ने प्रबंधन पर चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता देने और नियमों के समान रूप से पालन नहीं करने के आरोप लगाए। इसके चलते सेंटर परिसर में काफी देर तक असहज स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में कार्यक्रमों के संचालन और प्रबंधन में पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। उनका कहना था कि किसी भी संस्था में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के बजाय निष्पार्ति नियमों और प्रक्रियाओं के आधार पर निर्णय लिए जाने चाहिए। हंगामे के दौरान सेंटर की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि आयोजन संबंधी समन्वय, प्रवेश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं में पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे कार्यक्रमों में आने वाले लोगों को परेशानी होती है।

‘बेहतर बीज से बढ़ेगी सरसों की उपज’

जयपुर/सीकर। सरसों की बुवाई का समय नजदीक है। ऐसे में किसानों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले बीज का चयन और वैज्ञानिक तरीके से खेती करना उपज व आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एफआईसी सी सी आई - सी सी एस एनआईएमपी की ‘भारत के सरसों क्षेत्र की क्षमता का दोहन: प्रौद्योगिकी, उत्पादकता और किसान समृद्धि रिपोर्ट’ में राजस्थान और हरियाणा की सरसों खेती का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सरसों उत्पादन बढ़ाने के लिए रकबा बढ़ाने के बजाय प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देना जरूरी है। राजस्थान में सरसों की उपज 2021-22 में 1716 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से घटकर 2025-26 में 1552 किलोग्राम रह गई, जबकि हरियाणा में 1914 से बढ़कर 2,146 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई। राजस्थान के किसानों के अनुभवों में भी संकर बीज के फायदे सामने आए हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षिका से 80 लाख रु. साइबर ठगी में एक और बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । अजमेर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट का भय दिवाकर 80 लाख रुपए ठगने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के खिलाफ केंद्रीय साइबर पुलिस थाना (आर4सी) जयपुर ने कार्रवाई करते हुए फलोदी निवासी आरोपी बजरंग को गिरफ्तार किया है। वारदात के करीब दो साल बाद हुई इस गिरफ्तारी के साथ पुलिस इस मामले में अब तक गिरोह के 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई। जांच में आरोपी की भूमिका बैंक खातों, सिम और उगी की रकम के लेनदेन से जुड़ी सामने आई। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकारवत में बताया था कि 14 नवंबर 2024 को उसके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को पुलिस और साइबर अपराध शाखा का अधिकारी बताया। आरोपी ने महिला को डराया कि उसके पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर 25 बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन किया गया है।

झालाना का “राणा” कहां गया?

12 दिन बाद भी वन विभाग के हाथ खाली, सर्च ऑपरेशन जारी

–कार्यालय संवाददाता–

जयपुर। झालाना लेपर्ड सफारी की पहचान बन चुके लेपर्ड राणा के लापता होने के 12 दिन बाद भी वन विभाग को उसका कोई सुराग नहीं मिला है। बुधवार को वन विभाग की टीमें दिनभर झालाना जंगल के अलग-अलग हिस्सों में राणा की तलाश करती रही, लेकिन कोई ठोस संकेत नहीं मिला।

■ झालाना के जंगलों में उगी घनी घास में राणा की तलाश मुश्किल हुई. अब अतिरिक्त कैमरों से होगी निगरानी

लगातार तलाश के बावजूद राणा का पता नहीं चलने से वन्यजीव प्रेमियों की चिंता बढ़ गई है।राणा की तलाश के लिए डीएफओ आशीष व्यास, एसीएफ जितेंद्र सिंह शेखावत और रेंजर विजयपाल यादव के नेतृत्व में टीम ने जंगल के संभावित क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

एमएनआईटी के आसपास के क्षेत्र में भी वन विभाग की टीमें निगरानी कर रही हैं। विभाग अब राणा की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अतिरिक्त कैमरा ट्रैप लगाने की तैयारी कर रहा है।

बारिश के बाद बढ़ी घास बनी चुनौती

डीएफओ आशीष व्यास के अनुसार हाल में हुई बारिश के बाद झालाना जंगल में घास काफी बढ़ गई है। घनी और ऊंची घास के कारण लेपर्ड की तलाश चुनौतीपूर्ण हो गई है। जंगल का क्षेत्रफल



झालाना के जंगलों में लेपर्ड “राणा” की तलाश में वन विभाग की टीमें जुटी हुई हैं।

बढ़ा होने के कारण प्रत्येक हिस्से की निगरानी में भी समय लग रहा है। ऐसे में कैमरा ट्रैप और अन्य निगरानी माध्यमों से राणा की मौजूदगी का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

निगरानी और स्टाफ पर सवाल

राणा के लगातार लापता रहने के बीच झालाना जंगल की निगरानी व्यवस्था और स्टाफ की कमी का मुद्दा भी उठ रहा है। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि जंगल में निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के साथ स्टाफ की कमी दूर करने की जरूरत है।

वहीं सफारी ट्रैक के रखरखाव का काम भी किया जाना है। वन विभाग के अनुसार झालाना में निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। राणा की तलाश के लिए अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही स्टाफ की कमी दूर करने की दिशा में भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

झालाना की पहचान बन चुके राणा के 12 दिन से दिखाई नहीं देने के बाद वन विभाग लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहा है। जंगल के विभिन्न हिस्सों के साथ एमएनआईटी क्षेत्र में भी निगरानी की जा रही है। कैमरा ट्रैप के जरिए उसकी गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास जारी है। फिलहाल राणा का कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

‘पीएम-जनमन से जनजातीय क्षेत्रों में विकास को गति’

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीबीटीजी) को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बारां जिले के किशनगंज, शाहबाद सहित 8 ब्लॉकों में सहरिया पीबीटीजी समुदाय को आवास, सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राजस्थान में सहरिया पीबीटीजी की आबादी करीब 1.30 लाख है, जो बारां की 149 ग्राम पंचायतों के 324 राजस्व गांवों में निवास करती है।पीएम-जनमन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में 14,671 आवास पूर्ण हो चुके हैं। 4 हजार से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन और 16 हजार से अधिक पात्र वंचित परिवारों को विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए 22 सड़कों का काम भी पूरा हो चुका है।

पीएम-जनमन के तहत 15 मल्टीपर्पज सेंटर, 51 आंगनबाड़ी केंद्र और 51 वन-घन केंद्र संचालित हैं। दो छात्रावासों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 19 अन्य छात्रावास जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। आरएसएसएलडीसी ने 621 लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की 8 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएनयू) दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में सेवाएं दे रही हैं।

एसआईआर और “वोट चोरी” के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

10 अक्टूबर को 50 हजार कार्यकर्ता करेंगे दिल्ली कूच : डोटासरा

जयपुर (कांस)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन के तहत गुरुवार को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन हुए। जयपुर में शहर कांग्रेस की ओर से कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी और वामदलों के कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया।

प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली, प्रदेश प्रभारी पुखराज पाराशर, पूर्व मंत्री बीडी कल्ला, विधायक रफीक खान सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे। करीब डेढ़ घंटे तक केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के चलते कलेक्ट्रेट के आसपास यातायात प्रभावित रहा और जाम की स्थिति बन गई।

प्रदर्शन के बाद डोटासरा और जुली ने कार्यकर्ताओं से 10 अक्टूबर को दिल्ली कूच करने का आ न किया। डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में आंदोलन कर रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी केवल कथित वोट चोरी की जांच और दौधियों को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनकी बात सुनी जानी चाहिए।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि

कांग्रेस का चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन सुर्खियों में बने रहने की कोशिश : मदन राठौड़

जयपुर, । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिल्ली में कांग्रेस के चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कहा कि यदि कांग्रेस को आयोग से शिकायत है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत 5 से 7 लोगों का प्रतिनिधिमंडल समय लेकर अधिकारियों से मिल सकता है। इसके बजाय 300-400 लोगों को लेकर प्रदर्शन करना केवल राजनीतिक नौटंकी और सुर्खियों में बने रहने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रदर्शन से न तो निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होगी और न चुनाव प्रक्रिया पर कोई प्रभाव पड़ेगा। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास रखते हुए निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी बात रखे। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शनों के जरिए जनता में भ्रम पैदा करने और उसे भड़काने का प्रयास किया जा रहा है।

राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल

राठौड़ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महिला पुलिसकर्मी के साथ व्यवहार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं से मर्यादित और गरिमापूर्ण आचरण की अपेक्षा होती है। महिला पुलिसकर्मी की पीट पर हाथ रखने को उन्होंने

शिखर सम्मेलन में शामिल हुई उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अरपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, बालिका शिक्षा, पोषण एवं आंगनबाड़ सेवाओं के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों और

■ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि, “300-400 लोगों के साथ प्रदर्शन राजनीतिक नौटंकी है।” उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा महिला पुलिसकर्मी से व्यवहार पर भी सवाल उठाए।

निंदनीय बताते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार संस्कारों और मर्यादा के अभाव को दर्शाता है।

राठौड़ कांग्रेस की एकजुटता पर निशाना साधा

कांग्रेस नेताओं के एकजुटता के दावों पर मदन राठौड़ ने कहा कि “हम सब एक हैं” कहने की जरूरत उसी को पड़ती है, जिसके मन में संदेह होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एक फोटो फ्रेम के लिए साथ खड़े हो रहे हैं, जबकि उनके बयानों और गतिविधियों से पार्टी के भीतर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो रही है। रंधावा द्वारा सचिन पायलट से बयान देने की बात और मना करने पर उन्हें पकड़कर लाने की चर्चा का हवाला देते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस नेता सचिन पायलट को बच्चा समझते है।

जर्जर बालगृह में रह रहे 80 बच्चों को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग

पीडब्ल्यूडी ने भवन को “उपयोग के लिए असुरक्षित” बताया, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

जयपुर। सेटी कॉलोनी स्थित सरकारी ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी और स्पेशल होम की जर्जर इमारत में रह रहे करीब 80 बच्चों की सुरक्षा का मामला राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ में पहुंच गया है। एडवोकेट वैष्णवी के माध्यम से अनंत मिश्रा ने जनहित याचिका दायर कर बच्चों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है। मामले में एडवोकेट वैष्णवी और एडवोकेट अनुतोष मिश्रा पिटीशनर की ओर से काउंसिल हैं। इस प्रकरण पर 5 अक्टूबर को न्यायाधीश महेन्द्र गोयल व न्यायाधीश भुवन गोयल ने सुनवाई की थी। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

ज्ञात रहे कि अनंत मिश्रा अक्टूबर 2024 से डीएलएमए जयपुर में असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल हैं। उन्होंने 15 सितंबर 2026 को सात लॉ इंटरन्स के साथ परिसर का निरीक्षण किया था। याचिका के अनुसार परिसर में ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी, स्पेशल होम और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड-1 व 2 संचालित हैं। यहां करीब 80 चिल्ड्रन इन कॉन्प्लेक्ट विद लॉ रहते हैं।

पीडब्ल्यूडी रिपोर्ट में दरारें, कमजोर नींव और खुली सरिया

याचिका में 26 मई 2026 को पीडब्ल्यूडी कमेटी की निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। इसमें भवन की स्ट्रक्चरल कंडीशन गंभीर बताते हुए कई हिस्सों में दरारें, कमजोर फाउंडेशन, जंग लगी खुली सरिया, बारिश के पानी का रिसाव तथा जर्जर प्लास्टर व टाइल्स का उल्लेख है। दीवारों में करीब डेढ़ से दो इंच तक चौड़ी दरारें भी बताई गई हैं। सीवर, टॉयलेट और बाथरूम की खराब स्थिति से सफाई व स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जताई गई। 10 जून 2026 की रिपोर्ट में भवन को डिलैपिडेटेड और स्ट्रक्चरल रूप से वीक बताते हुए उपयोग के लिए असुरक्षित बताया गया। इसके बाद 11 जून को ऑब्जर्वेशन होम के सुपरिंटेंडेंट ने संबंधित विभाग को पत्र लिखकर बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे दूसरी जगह शिफ्ट करने का अनुरोध किया और दुर्घटना की आशंका जताई।

300 कि.मी. पीछा कर दो वाहन चोर दबोचे

जयपुर। आमेर पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद चोरी किए गए महिंद्रा ट्रैक्टर-टैंकर का करीब 300 किलोमीटर तक पीछा किया और भीलवाड़ा से दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का ट्रैक्टर-टैंकर बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उतर करन शर्मा ने बताया कि आमेर थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पीपूष खोपर (32) निवासी रामगंज जयपुर तथा कैलाश मीणा (41) निवासी आमेर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

शोक जताया

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने कहा कि नाना पाटेकर केवल अभिनेता ही नहीं थे वह समाज को जागरूक करने, राष्ट्र प्रेम जगाने से जुड़े अहम व्यक्तित्व थे। उनका निधन हिंदी और मराठी फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है।

सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा फोटोजर्नलिज्म की कसौटी : मंत्री खर्वा



जयपुर। यूडीएफ मंत्री झावर सिंह खर्वा ने कहा कि सोशल मीडिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के दौर में फोटोजर्नलिज्म में सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा बनाए रखना जरूरी है। वे ईमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आरआईसी में आयोजित 12वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेन जी फोटोजर्नलिस्टों से नकारात्मक नजरिए से दूर रहने का आग्रह किया। सेमिनार में इंडिया टुडे के उपसंपादक रोहित परिहार ने पत्रकारों और फोटोजर्नलिस्टों के लिए आत्मरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। डॉ. रमा

माया सोलंकी ने ईमानदारी और गहन अध्ययन को सफलता का आधार बताया। अयोध्या प्रसाद गौड़ ने एआई से तैयार फर्जी फोटो और समाचार सामग्री से सावधान रहने की सलाह दी। दैनिक भास्कर के स्टेट एडिटर मुकेश माथुर ने कहा कि ग्राउंड रिपोर्टिंग, साक्षात्कार और फोटोग्राफी में मानवीय भूमिका को एआई प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। हेमजीत मालू, पुरुषोत्तम दिवाकर, धरम कुलरिया, अंशुमान शास्त्री, नीरू यादव और विशाल स्वामी ने भी फोटोजर्नलिज्म में तकनीकी बदलाव और नए आयामों पर विचार रखे। सोसायटी की डायरेक्टर लीला दिवाकर ने आभार जताया।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो.रमेश जैन का निधन

जयपुर । राजस्थान में पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षा के पुरोधा, शिक्षाविद्, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो. रमेश जैन का 84 वर्ष की आयु में बुधवार रात निधन हो गया। गुस्वार को उनके अंतिम संस्कार में पत्रकारिता एवं उच्च शिक्षा जगत से जुड़े लोगों, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी। प्रो. जैन राजस्थान में पत्रकारिता शिक्षा के प्रथम प्रोफेसर रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय तथा वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष रहे। उनका पत्रकारिता जीवन 1967 में दैनिक राष्ट्रदूत से शुरू हुआ। इसके बाद हिन्दुस्तान समाचार समिति, जयपुर और नई दिल्ली में समाचार सम्पादक (डेस्क इंचार्ज) के रूप में

कार्य किया। वर्ष 1981 से 1988 तक राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्राचार अध्ययन संस्थान में पत्रकारिता विभाग के प्रभारी एवं सहायक प्रोफेसर रहे और पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा शुरू कराया। 1988 से 2002 तक वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष रहते हुए बीजेएमसी, एमजेएमसी और पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू कराए। प्रो. जैन ने पत्रकारिता एवं जनसंचार पर 35 से अधिक पुस्तकें लिखीं। “जनसंचार विश्वकोश” और “हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास” उनकी प्रमुख कृतियां रहीं। उन्हें भारतेन्दु हरिश्चन्द्र राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

एसआईआर की निष्पक्ष जांच की मांग

जयपुर। वेलोफेयर पार्टी ऑफ इंडिया, राजस्थान ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग की है। पार्टी अध्यक्ष वी. सुब्रमण्णि ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और किसी पात्र नागरिक का नाम हटाना उसके मतदान के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। उन्होंने एसआईआर के दौरान पुराने दस्तावेज और रिकॉर्ड जुटाने,

विशेषकर 2002 की मतदाता सूची के आधार पर पात्रता साबित करने की प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जवाब मांगा। पार्टी ने सवाल उठाया कि यदि पात्र नागरिक को बाद में नाम दोबारा जुड़वाने का अवसर दिया जा सकता है तो पहले नाम हटाने की जरूरत क्यों पड़ी। प्रदेश अध्यक्ष वकार अहमद ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और ‘वोट चोरी’ के आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष व विश्वसनीय जांच की मांग की।